७०। ।वर्षिमःवन्श्रान्त्रीमःसेन्ग्रीःक्षान्तिन् सःवर्षेवार्ष्ट्रन्तर्ये सेवार्षेत्रः सेवार्षेत्रः सेवार्षेत्रः

নৰ্শ্ৰশ্ৰম্

ૹાાગાતું માલે શું શુંદ્ર ભૂમાવર્ધે શ્રાત્ર શ્રાત્રોત્ર પ્રદ્રાત્ર શ્રાદ્યાનો માને કરાયો છે. આ ત્રો ક્રાયા ત્રી સ્થાગાતું માલે શું શુંદ્ર ભૂમાના સાથે શ્રાપ્ત સાત્રામાં માને સાત્રામાં માને સામ સામ સામ સામ સામ સામ સામ સામ સ म् र्येर्यायावारी विमासराम् सदे व्यवसाया स्मार्थिया वर्षा हिंहे वर्षा सदा विक्र दर्भ निर्म अक्षेत्र विष्ट हैं विक्र विष्ट विषट विष्ट विष यश्रमायश्ची यर् ग्रा वित्र यश्रिय वित्र यश्रमा वित्र व श्रूटमा सुर तूर थे। स त्र प्रमा वित्र वार्तिन सम्बाधा रा रे रेयर मुख्या हैं माना नेरा थे। नेना त्या मानुया या उत्तीय विते मानुया है। ने नम हे। ने नम हे। यत्रा गरा गर्म गर्म गर्म गर्म गर्म गर्म के प्रति के में मार्थ के प्रति के प ख़ुव सुर्यं मविषा सूर्र है। विद्वे ये वह के वह मा विदे ख़ुव के मुंबा ध्वे है। वि. हेंच. श्रम. श्र. श्र. यूंच. श्री. विश्व श्र. यूंच. श्री. यूंच. श्री. विश्व श्र. श्री. यूंच. यू

उत्। विश्वरापरे विश्वराप विदेत वया वस्त्र पर व। विवित्त स्तर्त स्मित्रा पर्दे से त्या दर । । विवर त्या स्मित्र दर द्वर प्रेंद्र में पर्दे पर्दे । । विवर पर्दे से स्मित्र हैं । विवर से सिंद सिंद से सिंद सिंद से सिंद सिंद सिंद से स न्ग्रीय वर्षम यविव निर्मा हिव निरम्पहेव र्ख्य हु निरम् मानियोग र्ख्य हुन महिव रहा । मर्का द्वारा प्रमा विमाद्र मेममा वार्षिम विद्या में ११ । विद्या या श्रेव चित यस देर क्सम श्रेर श्रे । निर से निर्य प्रेंचर निर निर निर निर ह्या क्रेम्या । मेर मेर मान्य मान्य स्थार मेर पर मान्य मेर हो । नियय स्व न्त्र र्मद्र, थ्या, जर्म, धर, यर, वी १४ विश्वेर, ता र्रूच, दर्म, ध्वेर, यर् कूथा. रहा। रि. हूथा. सेथा. प्रक्ष्य. में मा प्रशीय. तार्थी. तार्थी. यत्रमा रि. म्परा प्रवर. वन्यानुविस्योत् स्टायलेव नुष्रा विषाया यस्य यस यस यस यस यस यस यस यस य १४ मियोश ता सेश रेट ट्यो लेट रायूर या या रियंश यी ले सेश श्रेश जगरा हूँग्रा पर्रिष्व, र्वंव, श्रुंव, श्रुंच, र्वंवर्ग, विंद्र, श्रुंब, ग्रेंच्र, ग्रेंच्र, ग्रेंच्र, ग्रेंच्र, विदा हिम्बार्या में दाव्ये में द्रांद्र द्रेषेया देरेंद्र वा । द्र्या केंग द्राहर केंग्रे का या यद यम्बर्भित्रात्री । दिस्याये । विया शे क्या श्री क्षा विष्य । विषय युर विश्व मुद्दे विश्व के प्रमान के यक्ष्व या थे। क्षिय विक्रा प्रक्रिय क्षित क्षेत्र के मान्य क्षेत्र या विक्रिय क्षेत्र विक्र विक्र विक्र विक्र व ला विश्वेषमा व वक्षे भेर वहर वेव वह वह व वह व वह व वह व वह व

श्रैया तर् विराया श्रीवा १० विष्व प्रवासित विद्या या ग्रीया या भ्रीया सक्वा ग्रीया । या प्रवासित विद्या प्रवासित विद्या प्रवासित विद्या प्रवासित विद्या प्रवासित विद्या विद्या प्रवासित विद्या मुद्र गुव क्षेट र्से देव केव क्ष्ट या यश्रिका १० मिट वसका उट ग्रे क्षेट से स केव क्ष्म ये विका निया विका मिल्या के किया मिल्या के किया मिल्या क्यं वर्षे राया ग्राम्यायाक्यायळ्वाण्याक्ष्याते वर्षे मार्थायाक्ष्याया वर्षेत्राया वर्येत्राया वर्येत्राया वर्षेत्राया वर्येत्राया वर्येत्राया वर्येत्राया वर्येत्राया वर्षेत्राया वर्येत्राया वर्येत् ्रा । वर्षिमः वर्षान् चुमा अनु ग्रीः व्रुष्टे वर्षे वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा

ह्रं पर्श्व म्या तर्श्वर श्री प्राप्त स्था तर्श्वर स्था तर्श्वर श्री प्राप्त स्था तर्श्वर स्था त्य स्था तर्श्वर स्था त्य स्था तर स्था त्य स्था चलेर पंत्रा यद देग पर हैंग्रा पर अद्या मुत्रा गु गर्भर। यद के दूर मुत्र क्रे वर्म्य उर् ग्री देशें द्या या श्वे केंद्र या भी वा या है। क्रिक्स क्रे स्या में क्रें वा या वे क्षें या वे त्यां मा त्र का मुद्देम को मुद्देश द्वा या धेवा वे । विकास माम विदार है। प्रियम क्रं पर्दे कुर यथा वर्दे हेर वर्ष्ट्र प्रवेश प्र है। विदे हेर धुर सुर वर्ष प्र क्री । यूर्यराय श्रीम्बार्याय श्रीम्बार्याय है पर्व मुंबार्याय है पर्व मुंबार्याय है प्राप्त है । विष्ट पर्व श्री । विष् वै। ।देःतकद्यम्यदेद्वयम्। वैषायमः त्यायदेष्वप्रमायक्षावक्षावम्। ।देः हैं तकर या मुहेश परे केंगा मेश एर्रा मिश् हैं नश र्यर धुमा व्यश या स्रिया तर्कता है। । यदया या स्रियां का है के के चे चे का य स्रिया है य से विश्व है या सर स्रियां तक्ता या देर ये क्रिया या यदिया तत्र क्रिया क्रिका हो दिका ये क्रिया हो। कर् मुर्भाष्ट्रसभाउन् गुँदि विष्येव पादे स्विम विषा सम्प्राप्त वा वो स्वाप्त स्वास स्वा केंत्र में न्द्र स्वे परि विवश ये सुग सर्ख्य वर देग्र रेग् रेग् र में पर्वे व से सर्वे र में श्रुवंश नेट नेस्ट गुरेव शुं अर्केग धेव परे हिर धट नेग पर हैंगेश यंदे बद्बा मुबा गुः अर्केषा हैं हे तकद केव यें ता त्र सेदे हे बाता खेषा तर्कता प्रेर

गुं नियम क्षेत्रा ये के या लेका यदि क्षेत्र नेदे लिया या क्षा दिक्या है। यनग या श्रम् शाहें के ता में प्रायक्षिया है मार्थिया विश्वाचित चीत्र चीत्र प्रायत स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स यार्या पर्ता ।यार विया येगार्थ पर हेंगार्थ वं र्यार्थ मुर्श अर्केग हिं है तकर वै । नेत्र वैंगा सर कैंगा मर गठेश ग्रीश नर्गेश येते नर्गेश य नर। मर य मांश्रमा क्षेत्र हेता श्रीका पदि केंका मांश्रमा श्री श्री तका सर्देर पश्रव पा रदा । व्यम् स् नूर्यायदे यावद् यास्या से से विमान्या प्रमान्या प्रमान्या स् । ग्री क्षेत्र में वर्ष में वर्ष में प्रमान प्रमान प्रमान में वर्ष में किया में वर्ष म यश गर क्रेश या । १३व रेग क्रेश यर ने पहूर ग्री । रह प्रवेत रेग क्रेश विश् पहिंदी । इसे प्रविश्व विश्व कर्ष कर्ष कर्ष कर्ष विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व है। दे यो महिमा कु अव डेगू क्रेक्य परे केंब्र महिमा यम अव डेग क्रेक्य परि केंब्रा मासुसा दर्मका दर्म देव देवा भ्रेब्रा महिरा केंब्रा मासुसा से। १८८ है। ४८ युव भी भारत हैं दें ते बद पहेंगे प्रश्ना किंव श्रेट हैं। किं शुं के प्रश्ना शें श यश्यां पा नदी । क्रिंदा पा बुदा तह्यां यश्या क्री नेतर श्री नद वद योग पक्षां पति क्रिंया वर्षां वर्ष हीं रेंग व गूर पर मेर ने वितर हैं क्रूर प्रेव व क्रेम गुर्म ग्रम्य य यर यहमाना न मनना नामा देयाना नामा पर देया माना प्राप्त के माना पर समाना पर पर यहमाना नामा पर समाना माना माना पर समाना पर समाना माना पर समाना पर समाना

यदासूर पर्या यदा भी हेर केर भाषाया है। हैंदा या बेस्या ग्री रदा प्रिवेद विद्या वी ने सूर्व ग्रम्य न नर्ष्य नम् में हैर पं या हैर पा विश्व वी हैर पं वर्षेया स्वितं ते हित्र या महाया विहान । तेहा त महाया विहान हित्र व हिता या हिता होत्ति। ते त्यामिक्या वर्षा मुक्या वार्षा व्याप्ता वर्षा व्याप्ता वर्षे वर्षे व्याप्ता वर्षे वर्या वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर बेश ही प्रत्या पर्डेश येव शेयश ही दि में वेश है। प्र पेव में प्रें हें हैं स्रा ह्या सर हेंव पर र्यं स्राप्त रेंब बिर्ट लेगा रार पहेंव पे हैंच सर्थ हैं श्चर हैं। दि से विदे रहें चलेत माश्चर्य येगाश वर्र हैं विदेर न से वि'त्रिंद्र'त्र्द्रश्चिर्धेर'से द्रिक्ष' द्रिक्ष' द्राचि' धेर्वु' दें। । बोस्र्यं उद्गुं । प्रस्था द्रिस्य व्यवस्थित दें। यार्रे में केर ग्रीश्रे केर मात्रश्रामात्रश्रामात्र में मार्थ में मार्य में मार्थ में यर विश्वर्यस्य प्राधिन है। देवद रूट प्रविन विश्वर्या व्यावित्य प्रसार्थ हैं न सेंद्रस प्रा मश्राविश्वाद्यायां श्रीमश्राया दृष्णु र्क्षत्र में श्रुश्राया श्रीमश्रीय रायविया वेशायित्र यम्ब्रुस्यायाणेत् है। देवम्ब्रियात् यहून्य मम्बर्धायां विवृवाया या यहेव वशा हैव सेंद्रश या यहें दे क्याशा सुदावद दु यह वा या भी हैं। सा मिट श्रामि हिर यो पक्ष यो विष्यं सियो वर विषा अहिसी मेर्टेव हीं रेगेश र्यासारा अंश श्रे या ल्या है। विया है हैं से यह यह या या श्रे केर हैं दें। यह रह चलेत् क्रूंट या त्व्या या वा चहेत् त्रा हेत् क्रा हेत् क्रेंट्या या लें क्र्ट हिंदा वर्शें या थि में हैं। इ रें अ मू ग्रेन रें पंस यो निस्त रमा ने र हिर । गरेंन से इत्राह्म न्यां या त्यां यी चर्र हैं। क्षेत्र चह्या या या हैं। चर्र विदेश विद्राह्म विद्राहम विद्रा मात्रका मा यी प्राप्त से कि हैं है। मिस्रका सि मिस्र मा वर्षे मा वर्षे मान याक्षेत्रुः यात्त्वा कुते कुता कुता कुता कुता कुता का या या या विद्या । ते वर्षा ग्रामा के विद्या वि वर् गुँही दे सिर्द्धा शुन्ये शुन्ये विष्यं यर हैं ग्राया शुर्द्य विष्यं र तर्ष शुन्य श्री सक्य. धूरे. नुंबा श्रीर हूरा। हि. यर हेव. उच्चेता ग्रीय. ग्रीर ज्याबा ह्यांबा

वश् वित्रवित्र्याः सुश्रास्त्रम् वार्डितः चित्रः प्रयुद्धाः विश्वाः चः परिः देवः पर्हितः त्र में स्वार्थ के स् व र्षेव निव निव स्थानिक स्व व क्षेत्र स्व स्थानिक विषेत्र मुक्त स्व स्थानिक विषेत्र स्व स्थानिक विषेत्र स्व स् य्ये सुद्धार्या देवाबा ख्ये खे को खे दरा। सुबा यये से खे दर्दा विस्रवाय दुर क्षे संदूर। वर्षा महिन्न पर सुव पा पर । महिन्न पर महिन्न पर्न यः न्दा महिता पर है से प्रेरिका नरा । अंग प्रेरिका महिना प्रकृत प्रका था या क्रेंग्रां या क्रें। प्रमानु प्रमानु प्रमानु प्रमान्य स्था प्रमानु प्रमानु प्रमानु प्रमानु प्रमानु प्रमानु प मावव मार्थित प्राप्त में के प्राप्त में के मार्थिय प्राप्त मार्थिय मार क्याना नदा। वे मेदा उत्तेया यमा यासुसा है मेदा वेना है या या मेना या यास्या। यश्रम् मुश्रम् निर्मा यश्रमः यश्रमः निर्मा यश्रमः मुश्रमः मुश्रमः मुश्रमः स्वर्मः स्वर्मः स्वर्मः स्वर्मः स्वर् विद्यान्त्र प्रमान्त्र । माश्रुश् प्रमान्त्र । स्विः प्रमान्त्र मान्त्र मान्त्र । स्विः प्रमान्त्र मान्त्र । स्विः प्रमान्त्र मान्त्र मान्त्र मान्त्र मान्त्र । स्विः प्रमान्त्र मान्त्र मान्त् हेतु त्रचेल वसका उर् लेगका पर पहणका ला उत् पर वुरे। तर्र म बेप ही यहें ५ गुरु से यर पर पर हुन न्य सदे लेखे यह सत्त्र विर पर्वस सते विष हैं यहरे हैं हैं ग्रायर मुर्देश पर प्रति । पर प्रति वित माश्रुय प्रश् दें हैं ये प्रति दि में दें वे से एशपार्करणवर्षियावर्दित्व। वर्द्धियवर्ष्ट्रेशवर्षेत्रस्य विश्वर्षेत्र म्रेर'न्द्रा ्षदाक्रॅदायावर्केयाम्बरनेवदाम्बयायाकेन्छेन्यदेष्ट्रेरक्रेंद्रायाके म्बर्यायते मुन्द्र ख्रुप्य प्रमास्त्रीय स्वाप्य सुद्र वित्र प्रमास्त्र स्वाप्य स्वाप्य

यर्ने व र्रे मेया व व व र प्राया या व व र प्राया व व र प्राया के प्राया व र प्राया व व र प्राया व र प्राय व र प्राया व र महामित्रेतु सेनाया म्याम्या मित्राया मित्रेता मित्रेता या स्मान्या पा याराष्यराश्ची केरायते क्षेत्र प्रदाय विवासे राते। केंबा बस्र कर्रों राते हो से प्राप्त का यक्षेत्रस्य निर्मायायायाक्षेत्रायदे मिलेस ग्रीके। वर्षिम् सिस्तर्मा मर्दित् से रेग्रेश वि परं त्युर रें। विट् पव गव श्रुश व हेंव सेंदश य गूहे स्गा ग्रेश यश्चेर दे। मर्देव सुं रेमार्थ मर्देर प्रश्चिर यहुम य बुर यहुम में सुर्थ मर्चर बर उद्या क्रेंट तर्या में अया यर व्रश्न या क्रेंट यद मुक्ष मान्य या न्रा । येगका या न्रा । बुर दह्मा में अया यर व्रश्न या क्रेंट यद मुक्ष मान्य या न्रा । येगका यर हैंग्रेंग वर्षा बदा वहेगा था बदा वहेगा हैता ग्री मुर्चा यहेंगा येथा वेदा यदःग्रवंदर्ग वद्यां भेषां वे प्रमाले प्रमाले स्वरंद्र वे स्वरंद्र विश्व स्वरंद्र याधिन यश्राम्रास्य वार्या स्ट्रिट या न्ट्रा क्रिट या या नेर्या ने न्द्रम्मामी मुं भे अस रेसर्पियोय विया हि यह भार्य भूटा न्द्रा मुं सार्टिया विया है यह स्था से स्था निया है से क्षेत्रा यग्याम्यम्यस्य वे वे स्टार्ट्य कुरेवर्तु यह विं वे प्रार्ट्य श्च न्द्रा अर्थी में वे गिने स्या न्द्र मून न्द्र मून न्द्र मुक्त सकन य न्द्रा अस्त्र यं न्दा शिया न्दा विया या विर्धित्य है 'यहें ने क्या वा न्दा विया अधिक्ष श्राय है। समिया सामित्री में स्टार् में स्टार्स से सिर्देश के निर्देश में निर्देश में में सिर्देश में में सिर्देश में सिर्दे म्दायामार्थका विश्व विदार्शका विवाद मिल्या म वर् तर् पा रहा विवासे हुन से इसाया स्वार् हेवा हा पक्षी <mark>प्यहा</mark> खुना ही स्वार् वा नि म्बीत या प्रतिक्रित के निर्मा प्राया मित्रीत या बुरा के प्रतिक प्रति विष् मी तीया और के वया है। या तव कर वे अधिका तत तीया तव है। तिर तीया ग्रुम्'र्ट्'य्र'यं वस्र ४५'रे'रे'यर्ट्ग सुस्य मुस्य सम् युर्य सम् है। देव संदर्भ या स्पर्ना वर्षुराया स्पायना स्वापना मार्व रहा। वर्ष वसन

वर् क्रे. पदः ब्रेम्स् । दे न्या ख्या या न्या व्या क्रिंग् वर्षेत्र क्रेम्स वर्षेत्र क्रेम्स प्रमानितः वर्षेत्र क्रेम्स प्रमानितः वर्षेत्र क्रिंग क्रिंग वर्षेत्र क्रिंग यंश्रां ले प्रमार्थी । विद्यानित का श्रीट में ग्रथायदे मुन्दर्भेर प्रश्ने प्रश्ने केंश्राव्यक्ष उत् हैंदाय केंद्र द्वान्त या स्वाया कृति भुग्रे निग्न द्राष्ट्रम् अर्क्व में श्रम् प्रदे द्राप्त में स्वार्थ कि स्वार्थ कि स्वार्थ कि स्वार्थ कि स क्षुं हो विंद्य हो विंद्य क्षुं प्रकृत प्रवित्र क्षेत्र व्याप्त प्रवित्र हो दे प्रवित्र क्षेत्र वित्र हो विंद्य मु रेग्रा ले यो गर्ने र लेश पर्हेट्श पर सुरा पर्हेट्श ययर हु सा पर्वे र र मुं अंश अवश्र शं पर्या पंदा पर्दा पर वार्षिश वर वि पर वर्षेर है। विर अंदे मूर्निट यदे देवाय में भेट्टी वर्देन कवार्य विवा संभित्र में वर ते ले इट वी र्मिश्रामाया प्राप्त क्षेत्र श्रुव मान्द्र। वे श्रूद क्ष्माय प्राप्त श्रुव श्रुव स्मान्द्र। वे श्रूद क्ष्माय प्राप्त श्रुव श्रुव श्रुव स्मान्द्र। वि श्रूद क्ष्माय प्राप्त श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव स्मान्द्र। वि श्रूव स्मान्द्र समान्द्र समान्द्र स्मान्द्र समान्द्र श्रूष्ट्र ना तर्द्र मा में क्षूर ना दिर न्यूर ना लेवा है। श्रूष्ट्र ने हिंदे में हैं के स्वार्थ निव से स्वार्थ त्रुवाका की है। क्षेत्र प्रमुत्र की वह दे। चित्र मुनेवाका चर्या थे। के का का कुँव। कुं यहेगाहेन हेरा ।हाधी पर्वाचेन पर्वाचेन अर्थ उर्देश । प्रेंस पर्वाचेन अर्थ प्रदेश हेरा है । दिर मानेन पर्वाचेन पर्वाचेन पर्वाचेन अर्थ प्रदेश पर्वाचेन परवाचेन पर्वाचेन पर्वाचेन परवाचेन परवाचेन पर्वाचेन परवाचेन परव क्रम् ग्री वर शैं खुया दूर। वर्ति वर्ति वर्षित ये ये वे वर्षे वर्ष क्रन्त्र। मुं अर्क्त्र वस्र अपन्ति प्रकार मुं अपने अपने प्रकार क्रिया में प्रकार क्रिया में प्रकार में प्रकार में महत्र्यं पर्देर्यं पर्देर्या र्रायम् प्रमाया सुमा हेत् यहोया वसमा उर्व स्म श्चे निर्माय ये येव प्रमा वसमा उन् प्रमा सर्वे न्मा व सा नम ये प्र

यहिर्येश्वर्रा अर्रे क्रिंट वस्र शंक्ष्यं हे मुंबा वया क्रिंट प्रमानिये। क्रिंट ख़्ब ड्रेग क्रें अपिते के अपित्र अपित्र के प्राप्त के अपित सर्व. रे. छेर. त. ज. पश्चेर. रूमा ह्रिंट. त. ज. ह्यांश. रूमा बंट. पहेंगा. याया विश्वासी निर्देश्याय विश्वया विश् संदे दे विश्व में माना क्या वे मानय वा द्या में माना क्या वे में द्या मान स्वा में माना क्या वे में द्या मान स्वा में माना क्या वे में द्या मान स्वा में माना क्या वे माना में माना क्या वे में माना क्या वे में माना क्या वे में माना क्या वे माना क्या क्या वे माना क्या वि माना क्या क्या वि माना क्या वि हैं माना र्द्ध्या वे बुद तह्मा में । पो नेना वे नुस्त वे नुस्त्रा गी नूद दे हैं। सर्वत नेन नूर वे केंद्रप्र केसका ग्री रूट प्रविव। दे पे बुद प्रह्मा मी कुसका वे पर्देश सेव केसका गुं दें वें लेश न व से व वें पिर न्या ने त्या के त्या के व के व के व के या मुक्त विका मान्या भूभा तार्था श्री विश्वा श्री तार्था क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्व क्षे हैं केव में येश हैंया हैं हिंद या नेश रया केवे में येश केश हैं। बद यहिंग द केव रित में मावश्राणा दे महिश्च प्राप्त में मावश्राण में मावश्र में मावश्राण में मावश्र में मावश्राण में मावश्राण में मावश्राण में मावश्राण में मावश्र में मावश्राण में मावश्र में मावश्र में मावश्र में मावश्र में मावश्र में मावश्र में मावश्

श्री रे रे ययदा माश्रय हेंद्र बद्दा यह मा या प्राया या या में रे रे रे ययदा मॅश्रम् गा न्द्र स्व पा धवे हैं। विव हुर्देग हुर वहूर पर हुदें। विवश्य सु स्व उँगा श्रेश पाँदे केंश माश्रुम सें।। ।। अने उँगा श्रेश पाँदे केंश माश्रुम क्रिया श्रु तुर यक्कें अर्था थे। दे वर्षा गर्था यर वंग केंद्र यर येक्कें आ दे या केंद्र यदे कुर्थ यहेता या पर्श्विया है। बुदा यहना है। या प्रज्ञिया है। कुत्र हना श्री यहन है। ॥हेता या प्रश्विया है। बुदा यहन स्वास्त्र है। ॥हेता स्वास्त्र है। ॥हे क्षेत्र'यम् क्षेत्र'हेषा भ्रेश प्रते क्षेत्र' गर्शम गर्शम ग्री भ्रेष्ट्र वर्षा पर्हेट प्रया रू मविद् माश्रुया शुं क्षे वका शुं यर पहेंदे पर विद् रिष्ण क्रयूया शु त्रूर पते यात्रीयात्रीयात्रीयात्रीया स्थानित्रात्रीय या श्रेमश्र श्रुप्तर पश्चित्या श्रुप्ता रूटा पतित्र सेट् पर पश्चित पर्दे। । दूट सें ते। माना नेता विना पर रेगा मुँग धँर रदा माई वी प्रद मेन केन सेसन यन होर ग्रीयः प्रदी । श्रद्यां मुत्रां सेंद्रां सेंद्रां सेंस्या उत् सेद्रां । इसं प्रयः वेश प्रदे म्बिक्य र्रेवे व्या वित्र र्रेया बुर या दुर बद सेदा विका वु या या केंग्रिया या म्बिट्याया है पर्देव ग्री लया हा वया ग्रम विकास समा केया हिन् सूर्या ग्रेंश प्रश्नेत प्रा वर ग्रेंश प्रश्नेत प्रा गर्देन ग्रेंश प्रश्नेत प्रा वेश ग्रेंश प्रश्नेत प्रव प्रव प्रव प

शुरातु विराम्या विश्वाम्या या या विश्वाम्या या विश्वाम्या विश्वाम्या विश्वाम्या विश्वाम्या विश्वाम्या विश्वाम्य कुँसम् मुं सुद्यायम् दर्देर् यम् क्षेत्रं या दर्ग दिस्म मिले दर्ग हेम मेमुस्य ये मे रे ज्वर मुख्य मुख्य मुं र्ख्य मुं र वृत्र सुर तुर है। रेवर मुर र्ख्य य दर्। रर थि द्या शे केर वर्ष य यर पर्से य प्रें है। हैं र परे केंश व श्रम हैं। दिस्याम्बियां ही यस विविष्ठ म्यायाया विवायम्य सम्दर्द्व द्वावयाया वे कुंया नूर दें विं नि वया ही यम दें नर बूर ने वह ने या हुर हैं विंगू बिंना न्यम् स्राम् यायदेवराष्ट्रगायम् वे ग्रुयाया से द्राया से या वे व वे व के व के व के व के व के व यश्रम् या वै। में यम दर ह्राट या यहा या लेश या क्या या कुंवा मार्थे। पर क्ष्मादेश विश्वाख्य प्रमार क्षेत्र श्रीश्रामादे प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्थ प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्य प्रमार्य या है। नेते दर या मुलमा या लेखा हा या हुया मांख्या या है। नर्देश माले के केंबा ग्रुंभें भें। दिन्न देवें हैं अपूर्ण दे क्ष्म प्रहें अर्थ प्रदेश प्रवेश देवा है। बेर् या भेर् प्रति द्विमा र्यो प्रति स्प्रांचा क्वा हेर्नु ये रे प्रांच प्रते व्या प्रति प्रांच प्रते । धैर् अद्यामुयायम् प्रेर विषा । डेया या वे 'ब्रेंब प्रेया पर्या उदा वे दिया है दूर पति श्रेमश उव या श्रेट हे प्रश्लेम पं श्रे माठेश पति। विव पर में श्रे श्रेट पति ग्वमान्य। ग्रीम्बर्न्य। विद्वा क्रिन्यक्षा क्रिन्यक्षा कर ग्रीट्र विद्वा क्रिन्यक्षा व्यवस्था कर ग्रीट्र विद्वार क्रिन्यक्षा विद्वार क्रिक्यक्षा विद्वार क्रिक्यक्षा विद्वार क्रिक्यक्षा विद्वार क्रिक्यक्षा विद्वार क्रिक्यक्षा विद्यार क्रिक्यक्षा विद्या विद्या विद्या विद्या विद्यार क्रिक्यक्षा विद्यार क्रिक विश् दुश् हर्गा हु दव यम विश्व या की देशे देव हुग हु दव या विश्व वे या गर्या श्रुराया है। हैशा गुँ के श्रू मा सुरा से । नि सूर र्स्य न् स्वादे के निस निय निय निस निस यर् उत् लेगा क्रेका क्रेका पर्केशका है। युव रेट रू दर्गेर यद दूरे रूट दें या देश वेश या श्रुश यम द्ये गठिश या अत कर ग्री द्येगश या अ श्री द्ये विक्रा या सव कर वस्ता विक्रा व

वस्य ने निरम्भूमाया में या निर्देश निर्देश मालवा या लेसा मुख्या या निर्देश गुमार्थः या निम् र्ख्यायार्ख्य्याया धीवार्वे। निम्यान्या क्रुयं क्रियं क्रियं क्रियं हिम् वहिन वा गठेश या हरा ग्रेश पशुर्य ये हैं। कर मेश प्रेश परि हैंपश ग्रेश गरी यतर्तिम्बादाः सेर्पायाः केषाद्याः सुत्रस्य गाः विः गाङ्गे वाद्याः स्वाद्याः वाद्याः र् अर्घेट् प्रत्य। ५ ५ र वें या प्रारं रूट् पा ग्रीयेर र ये अर्घेट पा या सेंग्रीया परि क्स्यार्श्वेर्येग्यायम्द्रवायमः वृत्यायार् दिन्द्रम्य प्रति विदारेश्वायरि विदार यश्चेर् थर्रेदे दर्थ से मानुमा में मिश्रुस या नेर् ग्रेश यश्चर् यहा र्कर न् वुरं परिकें पर्वामी सुर्वामित्रेश र्र्यम् असाया स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय स्वामाय यायान्यान्ता यायासेन्यायासेन्स्यास्य स्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या इट य यशे वेट देश परे वेश प्र यश्चेत या देश हट या के मूलमा में प्रवे प यदिव श्रीका प्रश्नेत प्रदेश ये वार्षा ये के श्रीका प्रविव श्रीका से के प्राप्त से के प याता है श शुन्द्रमा है। विन्द्राता सेन या न्या सेन या ता सेन सामा या श्रूट प्राम्ने प्रमान के विष्य के विषय या यही लेटा देश या यहीटा वंश देश दरा या हैं। मालूमा में । पावा यमा में दिया य्वेदे न्द्रं से मा स्राप्त के मा यह मा यह मा स्राप्त में मा स्याप्त मा स्याप्त मा स्याप्त मा स्याप्त मा स्याप विया या यहेव विश्वा या या प्रदा । युरु या प्रदा के या श्रेयाश यदे हैं देश या या उत्ता मित्रा शु अर्वेट् न धेत प्रमा देवट येग्ना पर पहनाश या मुरेगा के येन्या यं धिव थ। गडिया वे दिव्यां गवि धेव प्रश्ना गर दिव्या गवि धेव गुन ह यहमाना यो ग्रीयना या त्रिया गिने धेन क्रुमे ने। भेगे ग्रीयना या यर्ज्यना यश्रियामिन वित्यायायाया विर्माणी मिल्याया वित्यामिन स्थान। स्था मार्षेव में पर्या पर्या प्रमुख मानि त्युक्य मानि स्मुक्य मानि स्मुक्य मानि स्मुक्य स्म यम् व गिर्वा गिर्वा गिरा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रकार क्षेत्र यानिये द्रांत्र्य ह्यां माववा में । वाहेश द्रांत्रया देया है। सेवा क्यां देया हेता है वाहेश व्या स्तरं दे स से रे पा या यह से पिते हैं। इन प्रते प्रते से इर प्रते हैं। इर प्रते हैं।

वैं। विश्व देश विश्व पश्चेत था ते दर श्रूट या पश्चे विर देशे दर था हैं गवग में मिश्रायासमायासे हैं। निरात्यां से से लिया मी से से त्या से श्रम हे सुरात्य से से में वितं या शुर रू विवेर वा है। वर्षा हैर यह श है येषा या वमुद्रा वर्षा स्वामा गुन हु नक्ष बिटा एका गुन हु हिया ये ये निमान ईस्र महिता य यर्द्धर, ता. रटा र इं. वंशा अधिरा पढ़ी. या रटा । वंशा अधिरा लटा इंसर पढ़ी. यायार्श्वेषात्रायाश्चायदेवायमञ्जूदायायेषात्रायम्यम्बात्राया दे दूर्षुरायायश्च विट नेते दट या हैं म्वम्य प्र हों । ने क्ष्य वर्ष ने न्या में के के के बाब हा यक्षेय्यायायादेशेषायाद्वे वित्रे दे वित्रे व मुन्याम् । स्वया नियम् स्वाप्ताम् । त्युम्य । या स्वाप्ताम् । त्युम्य । त्युम । त्युम्य । त्युम्य । त्युम्य । त्युम । त्युम्य । त्युम । त्युम क्रमा वसमा उर मंसमा है। व्या क्रिं पर विद्या विद्या विसमा कु र्द न न न । रिक्री पार है न रेर केंद्र सर्द्र में न न निर्मा प्रमा है ने से सुर ह्येव निरम् । विश्व द्वा विश्व क्षेत्र क्षेत्र

रट्ट्रवट्डव्यायाधेव्दि। श्रेयश्रिट्रवियुप्यिते प्रश्राणी प्रमाश्राणी श्रूट्य श्र केंग्रेश् ग्री मुं या यहेर् रेस्या दर्गे या दरें श्रेषा यहे मुं रेस्य श्रेष्ट्रेषा यह से स्वर्षेष्ट्र से स व्यम में मद्दार वर्षेत्र प्रमा में राज दूर [हिम गी केंग मिने में री केंग वर्हेन यन देशका न्ये कियं हुँ वहेंन केंद्र ने ने इंदर वा वहीं वा क्या केंद्र नक्ष्व प्रश्नित्त में। निवद नियें कें कें विश्व निर्देश कर्या केंग्र कें विश्व निर्देश केंग्र ठ पत्री हरायी पर्देश यें शुंति शुं से प्राप्त प्रमुत्य सम्माय स्वाप्त प्रदेश प्राप्त यहेव वैश्व हे निया स्ट्रिं निया स्ट्रिंस से हैं। ने सर्प्तेवर्त् श्रूर्यायावेव् एएया इसस् ग्रूर्सेन् यवेवर् श्रूर्यय में मुर्पर्य या नदा। नुन वर्गे सा सेवदा सुदा से के ईसा नु सर्दे या नदा। सर्दे सुदा से कुर देवर देने अर्धेर या वा श्रेंगश्रे या क्षेत्र से यहे वा विवाह श्रेरां वा है निर्देश क्ष्र-ग्रे श्रूट-पाष्ठ्र-पर्ये प्रेर्च मुन्दर्ग त्यं दे रेर्टि या दे विष्ये प्रेर्च विष्ये प्रेर्च विष्ये प्र कुं त्रु वे अ अवद व त्रु य र्षे द य द द । य र क्षेट व क्रेय व र्षे व र रे द र र ब्रैन्गर्द्यसम्बुन्द्रसम्बुग्रायायान्यस्य । स्रीवास्य स्रीवासेन्यम् स्रीवासेन्यस्य स्रीवासेन्यस्य स्रीवासेन्यस्य यंवेव र तु ब्लाय र वोगा में । दे सूर र वेगमां र पर दे व्लाय र वे से या वेस से पर है व्लाय से से पर है से पर वेस से पर है कि पर के से पर है कि पर है स्वर्यं में सूर्य के के हिन प्रदर्भ में सूर्य के केर प्राप्त में सूर्य में स यशं गुः श्रु सं र्वेष्यूशं रं वे श्रूट या विग् रं वे से श्रूट या दिये श्रूट सं यर पश्चेर या नेति पर या त्रीं मालमा में प्राति या त्रीं मा है या त्रीं श्वेर पर या त्रीं भी स्थान है। श्वेर पर या त्रीं मालमा से पर या त्रीं मालमा से या त्र

श्रद्भाया सुन् । सुया इस्या गुद्दा सेदा प्रवेत दुः यथा गुः श्रु सा र्रेषाया दं त श्रद्भाया विया र्ड वे से ब्रूट ये है दूरे हा से दर सर्देट्स पर ये हैं से पर दे हैं दर था है मलगम् । स्प्रित्रेग्यरे त्यावेश न्यावेश न्यावे । न्याके प्रत्ये प्रत्ये न्यावेश नेश न्यावा य्रक्ष्य र्थे क्रम क्रम शुर्व वश्व द्या यम श्वेत दे दर्श य दे दे के विशेषा सम्वत या वे डेवर भे श्रूर या वस समिते गुनुगमा निह्नेव वर नते हुंय है। मु सर्कें व ग्रैर छिरात्रा हित्रा ब्राराधार्थाश्रेषाश्रापात्यार्थाराष्ट्राया ने सेरायां विवादाश्रीयाया क्ष्म दिः पुर्व इस्र निर्म महिष्य प्रमुक्ति । विराद्ये पर्व विष्य मित्र विषय । र्दे बरे मूर हिर्दे है। लेंके वया रूट सूर गीय है यह ये बार रट मूर हिर रट्टी हुर नर । सूर यें ये श्रेमश या ने सर श्रूर अर श्रूर अर । ने सर वर्षेत्र सेन येरे । सर ने नित्र सेन सेरे यानवायां भी भी सुदार्थे भूटा ना है। नदार्थे भी नवि के मादा वर्षा विदेश संवे भू श्रेहेर्या देन्द्रमध्यें कें यार्र् हें यार्र हें रायंत्र कें राष्ट्र कें हेर्रो हेर्रे यूक्त रुपका गुँ शुः श्री तित्ये ति विक्र के विक्र के विक्र के विक्र के ति विक्र के यें भे वहुँ हैं। विश्व विश्व पूर हुश ये हैंदे हह ये हैं गुवरा में विश्व रिंप गु मक्सम् से कर प्रम् पंदे के विष देर में व्रम् पहें मूं म ते पि दें में से कैंगका शु क्षराया इर रु धेवाव्यारायर येर ये क्षर है। ने प्रवेव रु सुया क्यारे गुर्क्षराय् रदाविव अर्प्य ने श्रायर वुषाय देवें दराय विवार्षे ।देवे गर्नेशं या श्रेसश् श्रुपंसर वश्चवा यदे॥ ॥गश्या या श्रुपंस रहा विवेदा सेरा यर यश्चित या या गूलेश है। हेव दुवेया है यश्चित या हरें। यह हि व्या है यश्चित यते । दरमें वे गर्का या गर्का में दरमें हेव द्विया है। वि हैव अरा के के र्येट मु ५८ है। शि नेय श र्वेन भुर ५८ वर्ग र है। विश्व मर य ग्रुस है। केंगा में देव वे हुं या विश्व नु पर विष्ट द्वा पर गुर्व पर येत् येत है। हेव देनेवा शै र्देवार्याया के सेवार्य सुन्दर यह । सूर डेवा नह सेंदि कु ने वार्त्र स्ट्राय यर्प्यमञ्जीपायेर्प्यावेशन्यप्रमेर्या इत्रायायायहेर्यम्याविश्वार्यद्रम्

गिर्वायाप्राचीक्षे वयग्रायासुन्या व्याप्राची या नदा। शि. पक्ष. यत्र. लदा अपन्या हेर्गन्यः या वित्रा ग्रांबेद्यः पदिः हेर् ते हेर् । वेदा या पदिः हेर् स्वर्थः स्वरं हेर् हेर् व्याया द्रेशमानिये द्रो से से माने हिंदू न्या है दूर में मा हिंदू ने मान है वा मार्यामार्तिन या मार्निन यम श्रीया मार्ये श्रीया मार्मिन मार्थिन हैं न श्चित्र सेते हैं या देखें का पद्र सा धेव हैं। दे प्रतिव द श्चे प्रति प्रति व के प्रदेश विका भ्रम्यम् ममा दे द्या र्यम्य उद्दे दूर है। है से में या या महें पर है या या तहित यश्रायम्मायास्त्रित्यावेशानुः याधेवात्रे। वद्रासाहेम्बायास्त्रस्य याहमायसास् या बेश वु । यदे हैं। श्रे जा इस अप्ते अर दिर श्रे पा अर प्रश्ने या अर प्राचेश वु या धेत है। यदे से हेंगू का या इसका या कदा यर सुप्ता लेका द्वा यदे हैं। क्रेंशि दि क्षरावाक्की यान्या वहिषायान्या वर्षे यान्या विषयान्या विषया या नदा। यवतः नदा। नवुषा यनः प्रवाक्षेत्रं वय्रवा उन् ता क्री तर्ने गवा पा नदा। श्चरंपायदेवश्यं यंश्वर्षेद्रशश्चें व्यायायदे हे हेत् केदावें वायाय विद्वाय वैश्वाचायाधेव वे । विष्टा दुर्श्वेशयये क्षेष्ट्रा प्रदेश प्रदेश प्रविश्वाव व्या न्न या अव कर निये देंगा अ इस्र अया अव दें विया हु हु र हे श्रे यर निर्देश हैं यह स् यासरायाचा सरायाष्ट्रायायायहेवायराष्ट्रीयायाष्ट्रीया सरायाष्ट्रायारीष्ट्री सर दिर्श प्रदर सेट हैं। टि. केर देसे दूर सेट सर केश तर वैश पर वैश पर विश क्रम्भान्द्रम् भावविक विद्याविक्षे स्वर्गविक्षे स्वर्गा विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषय या से विंदा है। से विंदा माण्य विंद्र से सु द्वा दे या प्रवित हैं दे हैं या प्रवित हैं मुन वुषा वुषा भे लेंद्र मी वदा दु पविव भी दुर्ग परिंद्र क्षर है। पविव ग्रीं न्ग्रीय वर्षे मञ्चर षर प्रवित् या या प्रतित प्रमासे वित्त प्रमासे वित्त वर्षे मञ्चर प्र

मेर् या मुंबेर मी र्योग वर्षेर में वेंद्र मी वर रु वर्षेश मुक्ट मेर् है। रि क्ष्यं तर्शें दिद्वे केद्रायम् हेष्यायम् व्यायम् व्यायाः स्थायम् स्थायान्य व्यायम् व नुर्दे। हैं युवे या है। वेश न या है। उत्या सुगर्य या या से मिया या स्था नुषा यदे कुदे निर्देश में ने श्रां या उद्याद है या या या निना यदे कें ने निन्द दूर निदेश हैं। या श्रूटा थटा। दे द्या देर वर्षेश यवदा सेदा या दे द्या या सामहेत यर वर्ष्ट्र यवर भेर प्रश्न वर्गे वर्र भेर प्रम नेश प्रम विश्व यो दे सुवा इसेश वा इंस यवेत्रप्रयोशेवरप्रक्षेय्यम् प्रदेश है स्याये नेवावे वात्राच है। हे याया क्षेत्र येर्'यं रूटा वर बूट या ब्रैवा मर्थिमं श्रेर या रूटा ये ये नेवा वा ब्रें रूप मारा रहा मारेगा तमामा या वा भी भी तमहर है। हे में वा खाया है में ने मारा है वा स्थान के मारा है वा स्थान के मारा के भी भी है के कि मारा के मारा है वा स्थान के मारा के डिट त्र्रेया पर त्रुट पा केंग्रा वा क्रेंग्रा वा क्रेंग्रा वा केंग्रा वा क्रा केंग्रा वा त्रा हेवा इट वर्षेत्र वर वर्षेट वर केश वर वेश ता के भ वर्षेत्र वेशक के ये वर युर्वा भूत्यायायायवेत लेयानाया वे हेव त्रने या वी निवास या निवास या निवास विवास विवा येते रिश्व श्रु रिश श्रु तर्श में वर्ष रे श्रु श्रु श्रु श्रु रे रे रहा या से रिश्व श्री से येव रे या से यह वर यर् श्रुं मुद्र द्वुर य भेर दें। रि विवर् र र र में श्रेम्य य र में स्वा में यं य क्, कै, क्या का श्रेय, तरा वि, पर्टा क्रायर प्रमाय के या ही, यर श्रेट, यर राष्ट्र प्रदेर और जी कें तर्रेते क्या पर वेषा प्राया या यहेवा पर प्राया कें या विषा चा

विग्'मी'इर'र्'तकर्'यदे'कें। यन्ग्'द्रम्यंकु'स्र विर्'यन्ग'मी'म्र कु'द्रमुर' या प्रवासी यूर्या में प्रमास के श्रुम में दे तर्सिश्च यूर्य से हैं त्या स यहेव, त्रं वर्षे वैदायदर श्रेट तथा है यखेव रे वखें कूर शर् शेट ते विया है यहना केर यहाँ मेर वहीं। ने यहर या वर्ग के वर वे। यह य विमान्यहरू अविन ये ते के मेर्च प्रत्या व्याम् केंद्र ये दे दुर दु भूत मेर्च य र्ये क्षेत्र या लेगा यहें दावा दे द्रा हे का क्षु सहुव यदे क्षेत्र हेगाँ गुगा ये रे ते गुरू विश्वास्थाक्ष्यां प्रविवाक्ष्यक्षां शुद्धाराय र वृद्धा दिवा ग्रेष्ठ्यां पार्र र प्रविवासे र पर् पश्चित्रायायाम् वेश्राश्चित्रायदे निर्देश में विश्वायदे । गर्वेशयाय्वहेर् न्यूर्यं त्यक्ष्यायं वे। देवद् श्रुव्या श्रेंद्र्यो द्ये मुंद्र स्वा मर्विव वुदे नगर या है कू यद्या भिग्ना रायदे हैं त्यू यह के यदि । विश्व में सुन्य या बुद्र सेंद्र सं धेद्र पर्दे द्रोत्द्र विद्र विद्र हुँद् ग्री द्रे क्यू का मुद्र सं या विद्र में माण्यान्द्रायमाम्बन्धी प्रधे विद्यासीन प्रमानियामी स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र या गार्भी या क्रीं मा प्रश्नी । दे थी पर्दे प्राप्त में प्रश्नी विश्वा ग्रास्त्र या है मासुद्रस हो। १२ छेद महन थे द्रवा पर दूर्दे प्रस्त मासुस परे माहेस प्र महिंद्र च्रिया प्रश्नेत प्रमा मिल्का क्रिया प्रमा मिल्का क्रिया प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा मिल्का मिलका म

यर ब्रूट या क्षा स्ते क्षा इसका भी द्याया बेट देश क्षा श्री या देवट दर्ग सूर धिव हैं। विश्व महें नुश्व मते ही र महें नुश्व मुन्य में हुत हैं निय नु महें निय निय में हिव हैं निय निय में मिल किया हैं निय मिल किया है निय मिल किया में नियं वित्ते निर्मा श्वासी त्या धिव परि नियं वित्ते वित्ते वित्ते हैं। नियं है। नियं हैं। निय क्रेंश वस्त्र उर् पर्हेर चुंया र महत या प्रा हर देश वेश प्रेहेर पर श्रे नेश्यायायवित्र क्रिंश्च्यश्राउदे जूद्र दह्या यात्र यहें दूर्य प्रदेश विशेष यत्र्भेता नेतर्केषात्रपहेंन पत्रें के वासून पर्नेषाया सेषायहेंन यार्श्वम्यार्थं र्वत्रायम् नहें द्रार्थे ने में है। द्रोद्यार्थे माम्यायाय दे दे कि न्याया माश्रुद्रशं या हिंगा हैं प्रश्ना ग्रुट्रं। माहेश श्रु क्षेत्रं या क्षेत्रं देश है। हिं या क्षेत्रं वे. लूर त. शुर्ग विश्व शर शर शर रे. यबर य. जा विर्या ज इया वर्षेर तथा यर्जेर् सहैत्। विकामश्रम् यक्षा केवा वसका उर् यहेर विवाद मान्य वा विवासया या देश नेश पश्चित पर मुर्दे॥ १ ने प्रिक्त मुर्देश पा भुगेश परि है। यस विश् न न भूगें रा या भी यें ये या नुहा यह हैं भी ने रा यय हैं ने हिंद नुहा नय पर्दा । द्वांम्ब्रुम्याम्बर्दायाद्वम्याम्बर्धावेशः प्राप्त । म्यान्व । प्रस्ति । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धाः विश्व । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धाः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्व । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धाः विश्व । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धाः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्वः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्वः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्वः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्धः । विश्व पर्द्वम्याम्बर्वः । विश्व पर्द्वम्यम्बर्वः । विश्व पर्व । विश्व पर् ययदः श्रिट्र यविव र् दुरि क्षे मुद्रा विका यहूर् श्रे वेश पर्दा। । षदः श्व र् र्रा या येव परि निये परिते निर्मा मुझ्या परि यो निर्मा निर्मा निर्मा मुझ्या क्षेत्रका यहना देवा वा विका पहेंद्र चया पर में द्रामित वहना या पहेंद्र चया पर में द्रामित के प्राप्त पर परेंद्र

या र्ग्नेया याचर याचर या वेश में प्राप्त में रेया याचेश या रेया याचेश या राम्या याचेश याचे राम्या याचेश याचे राम्या याचेश याचे राम्या याचेश याचे यते न्यीय युर्वेर युर्वेर युं केश वुर्व न्यूर्य सूर्या थे केश मुं धुर्वा मुं या यहेत व्या श्रीया पर्दा विवासित साधिव परि निया प्रवि से प्रदेश की हिं हिंदे किया किन्तु विया हु। मार्श्वरक्षा यदे हिम देन हिमाका यम गुद्रों वदेन अर्दे उठा वक्षा या यह व हैं। विश्वेम पदे विश्वेम प्रिय हैं दे व्या दे पश्चित पदें। के दिन विश्वेम यंबे. रेत्र. श्रेश. श्रे. श्रे. योथेश. ग्रीश. योर्थे. ता. रेत्यत. तार्द्रा। ।। । तार. याश्रेत. यर वर्तेन प्रभाने न्या में न्या न्येव मार्ड में प्रमान मार्ड मार्ड 五, と, ず, ず, かなと、がかか、とに、 熱、か、とに、 とな、はない、とだ、 ロギと、だい、 महत्या पा ह्या । देवदा बास्या सु पश्चिता परि द्यों सू यस या बास बास यंश्रा स्वार्तेम् शायरे बूटा या मानुवा सेना यश बोसशान्य। कुवा सेरे वसा यरा हेंग्रायि कुं र्वाया यहेत् वर्षा ही यया ही रवार्षा त्र्रिता या के या वर्षा ही या वर्षा ही या वर्षा ही या वर्षा मिलिन नुभारे में निया निया मिलिन मिल या भारतहेत्र सम्बुं भाभारतिहराय। इत्या द्वा अमार्यम् भारतिहर्भा सर्वा स्तर बेर्पश्हेर्वाद्वेयार्टा रेक्ष्राद्वायायाक्षात्राञ्चराष्ट्रा वेष्यायायम् याङ्गीप्रवास्त्रित्वयार्थे। 🕴 श्रुप्रादेश्वाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या त्रं तर्रु अ तकर तर्श्व श्रु अ ५८ । त्रु तर् र्वेद रु रे तेंद्र अ तर सेद यो त्रु तर्थ स् यहेव्ययम् इत्वर्द्धार्यकर्पयका क्षे त्यावा सेद्रायका कुरेव्यवा दे वैं। । प्यर हेव वर्षेय र पश्चित प्रदे वर वश्च शर्वेव स्टूर्य य ही रेया व होर यांचा सेन्या सेस्या निया से विता क्रीता सेन्या सेवा साय हैता

वयायव्यात्रात्रात्रायमञ्जीपयाञ्चायात्रा याचेवायायात्रेवायमञ्जीत्रायव्य या अ र्युव शु गुर् या श्रूट यश विषा प्रामा प्रामा प्रामा से भेर हो श्री विषा होर प्रामा हेन विषा न्रें दे हैं हैं में क्रिंट प्रवेश मूर्व हैं प्रस् में क्रिंग प्रस प्रहें प्रया क्रिंट प्रया हैं विषा यरे यं क्षया विषा त्रुर्भाया रे र्रं र्षेत्र ग्रीभावसभा मुँ श्री राया यश्मा पुर्व से भेर पर्या श्रेश्या नदा। मुं नु या यश श्रे प्रां श्रु या नदा। या उत्ता या या नहेता पर मार्डमा भी तमुद्दा थे। मुद्देमा मार्डमा हु देंद्र में या भेदा यं मार्डेन तम्या निता में भी मार्डिमा मार्डिमा हु देंद्र में या भेदा यं मार्डिमा मार् यंबुव, रं. यहरे. तर भ्र. वंबा तबा यहरे. यंजा रं. जा यश्वित रि. क्षेर. व. क्षेर. मी होट र प्राप्ति प्रमुद्द प्रभार्ये सुर्य सुर सुर्य स ग्रम्यत्रें भ्रम्यत्र्वायायहेव वर्ष्यं भ्रम्भ्रम् वर्षे वर् यादार्द्रालेयां यांच्या यांच्यायां प्रमातियां श्रीत्यां स्वायां यांच्यायां यांच्यायां विष् कर् वे देव शी भी ने इं विद्या श्री पर की पर देव हैं स्ट्रिय हों है के दूर्य से हिंद हैं महिमा प्रमुद्ध प्रमुद यर त्युर र्रे। विश्वेष सुत्र विश्वेष विश्वेष ये के विश्वेष ये ये ये विश्वेष ये ये ये ये ये ये

वश्चित्रः त्रिम् मुक्ति या प्रत्या प्रते मुक्ता मुक्ति मुक र्सेर् शेर् परे वर्ग कर्मश ग्रेश शि रेंग रेंन ने पेंट्स शे वहेंग रिंन पेंट साधिव स्रोस्र केरा दे। । श्रीस्र श्री त्रांतु कुर विष्य प्राप्त हैं। । छेश म्रीस्र श्री से यर्व में वया में वया गर्रा गुव गवे मुं मुर या यम् र यर्ष कर यथा स मुर डेश माश्रुद्रश या प्रेंत है। दे माहत या द्वाय प्रमा यह दे दे प्रांश मुश प्रमा विमा यर गुंव गविदे रूट पविव रूट । हिव रूट पहेव र्ख्य मु रूट हो । या निया निवे हेर्ना मारा बीर्ना या निया हेर्ना हेर्ना निया गार्चा माले हैं। क्षेत्रा यहेर र्द्या नदा । ने कु कुन् नु महुन या नववा या नदा । इं कुन् नु महुन या नववा या निर्देश निर्देश यहेर् यहेर रिवेया कुंया यस क्रि. कुंया यहें या निर्देश या गुरुका दें। देव, दांदे खुंदा ग्रीका वार्षिक वर्षका क्ष्मा दांदें क्ष्मा दक्षिण वर्ष्ट्री विद्या । र्ये वे। ब्रेस्का हेर् त्ये र पार्ट स्थाप्त अस्तर् का पार्व की र शुरा शुरा युका रेश दिर हैंग्रेश शु सा सुद पर ग्रेंब भ्रेंप्य ग्रेंब दें सर बेट प र्स भेता वैं। नितः हेव वे गुव गर्वे केन सर्व वह लेट । यह वह स्वर्ष या सूर्य वे हेव सेव स्व य्यम्भागम्बर्धान्यं प्रत्यं प्रवेदा क्ष्यान्य स्थान्य वे गुव गवि पहेव र्ख्य है क्षेत्र पहेव वर्ष गवर्ष व र में गि पर से हिंग में देश क्या यमा ता के दर ता के देश हैं देश कुंया है देश के महिर है मेर मूर्व का की हिर क्रिंप्तिरं पार्ट्युं प्रवायश्यद्रश्याया वस्रश्यं उत् ग्री क्रुरं खुरायते खेरा कुं कुर डेश हा या विद क्रेंद में केव में ते स वा क्रेंब केद में ये बेंब सदा मा विदा ल्. पर्या देन, जि. ह्या देन, प्रयम, यी वश्रम, वर्ष, श्रीरी पर, विर.

या वर्षिम वर्षा गुर् केंबा वसवा उत् गुर वर्षा कवाबावाववा प्रवा दे खुबा म्याबा यान्या सन्या विषयिष्ठभाउनायुः द्वार्याक्षया अविषय्वाया विषय वै। नियम्भिः रेताम्ययाग्यस्य म्बून्यस्य ग्रीस्य म्बून्यस्य ग्रीस्य म्बून्यस्य । मार्शिया हैंदि। पर्दित या मार्था क्ष्री क्ष्री ती क्षा ता क्ष्री ती ती मार्थी क्ष्री क्ष्री र्डमः होमेर्नः गुरु गिर्वे प्राचि प्राच्या कर्मनः ग्री र्द्धा र हेन् ह्रा प्राची वित्र हि। रि यक्षेत्रात्रा अस्य त्यत् लेगायायक्षेत्रा । प्रत्ये व श्रूर्याम् श्रुस्य ग्रुप्ते इव पर विश्वा कें वर्ते या त्या मश्रम यश विर वरे यश से राज्य विर वर्षा कगुर्यायसम्बर्धायम् पर्वास्तरमञ्जूराम् स्थाप्तान्तरम् । यसंसुदाः बदाः दमो पाः या पहेता सुसा सह. रूबा मंबिंसा की. यमा. क्योंबा प्रयांबा तथा एक. योर. यमा. क्योंबा क्योंबा अर्कभश्रभुराव्यारेग्यार्च्यायो सार्ट्यायो गारायर सुरावारे अर्प्या व्याप्ती रेग्रा रुगें कें केंद्रे यह गूर्वक नह । यात्रुग्वा नह । वेंद्व क्रेंन नह । देग्व या केषाका पाक्का केषाका पादे प्राचा कषाका श्रमका उत् । यो पो मे मे के प्राचा प्राचा विकास रेग्यार्ग्यार्ग्यार्ग्यार्थरार्य्यार्थरार्थर्थर्थर्थ्यात्रेष्ट्राच्यार्थ्यद्यात्रेष्ट्राच्यार्थ्यद्यात्रेष्ट्र यश्रां श्रां या यहेव वश्रामाट्र हुं ब्रेंच पटा स्टा है। देमाश्राह्मा श्रीं श्रींदे ही हमा में श्रूट्यायवृद्ध्यायश्रीयाये श्रूट्याप्ट्या द्वयं वर्षे देवे देव या वर्षे युवाय श्रीय्याय यंदे श्रूप्त श्रु श्रेष्ट्र श्रुप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप श्रूप्त श्रू या क्रा क्या पर्दे वा विकाय क्रिया व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष क्रिया क्षेत्र क्रिया व्यक्ष क्र क्रिया व्यक्ष क्रिया व्यक्ष क्रिया व्यक्ष क्रिया व्यक्ष क्र कुर्यं वशवा २२. युर्ध्य ग्री. तूर्य १५४। उँचे बार्य क्रा वशवा ३२. युर्ध्य ग्री. वैया सर्वेद र्क्य र क्रिय केरा केरक श्री सर्वेद केर मार्थ रा कर प्रिवे क्रिय या केरिय ब्रायह्मा है। दे से मान हो से स्वाय स्वया क्या क्या क्या है में कि से बस से उत् क्रिंदि । विविक्ति विद्या क्रिंद्र प्रदेश क्रिंद्र क्रिंद्र विश्व विश्व

मुं मूर् गार्व था र्यया पर्यो । शिक्ष व्यक्ष मुर् गार्व था र्यया या वे। व्यक्ष यां श्रेव ने न त्या न न त्या श्रेष्ट है । विश्व न न ते ते ते ते श्रेष्ट है। श्रेव प्र ने न यान्यमार्थिमारदिषान् ग्रीमार्थन्। श्रीयायमानुन्यायसार्थिमारदिषान् ग्रीमार्थन्। वै। नदः हीं न्श्रीयः विविद्यः न्यदः नदः नयदः ह्यः श्रेगूश्रा । देः देवदः गन्तः मांश्रम् वित्रः वित्रा निव्रेरः सेन है। नियंया सेन म्न संदे लेया यहा मूर पर वि विश विया है। देवर देशिया विह्ना देरा । देवर दर । देवर स्थान्ता क्रिन्तु तंर्गे नामक्रेन पान्ता थे ने या वस्य यह गुर्गान्ते गांश्रम कर्प्तर् विश्वेषा विष्ठ वर्षा नविर केत्र केत्र केत्र केत्र विष्ट्रीय विष्रीय विष्ट्रीय गु है। ने या न्याया वर्षेत्र की नम्द्र तु गुरुष्टा मन्त्र महूरा वर्षेत्र माठेश शुं धे प्रशं र्मा हु त्र्में वरा वि में दि में दि में दि में वि में देना प्रशं भेर यंश्रामान्वास्यार्वेति ।देःस्यान्यान्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः स्वास्याः मन्नायं वर्ष्यायं वर्षा वर्षे हिंचन्ता हिं हेवे क्रे संकेत वेत निया है। वित् ख्या केर्य राय निया वेर्षित यक्ष्या । या वे के के वा १०१ के वा १ यहि स्या हैं है सा थि स्या पर दूरी या वा स्या है है यन्त्र। ।या श्रेष्वाश्वाया नृत्र। शाने सुमा श्रेष्वश्राय हेत्। विश्वार्यः या श्रेष्वश्रायाः मर्स्ट्रस्या है। पर्द्र्व है। विया है। वर्षा गूटा । यद्व संगूर्य संग्रस् मासुस प यवेश कुरे द्वर वेश माश्रद्य प्रशास्त्र व। दे या श्रद्य कुरा ग्रें गर्द्य कुरा मुं गर्द्य कुरा स्वर में ति. ब्रैट. १ रूपा. प्रमा उनेट. या. कि विटा क्या. मुभमा रतमा वटा मी. भी. प्रकृटी की. श्रेश द्वीते क्री श्रेडित्। वि व नि व नि श्रेश केंग्रा केंग्र केंग्रा मुन्द्र यश वर्षा या प्रेत्र पर । द्या मुन्दर द्या मुन्दर द्या मुन्दर व्या स्ट्रा स्ट्र

या त्रिमः त्रुमः प्रीमः सेनः सेनः सेनः प्रमुनः प्रमुनः पर्दे हिनः दे तहनः सुनः प्रमुनः क्राक्षा रे रेदर रेग्ना थ थ प्या प्राय युर प्रकृत्या क्री सकेत् विव श्रीका प्रकृत प्र या श्रीमाश्चा मार्था मार्थि, मार्थिं स्ट्रा यर, ये. क्षेर्र प्रदर, पर्विट, या. कें. रेटा । सिट, त्री यू नर्। क्रिं श्रें में या यू थे भे के यू में श्रें श्रें के यह या या के बाहा ये हैं कुंवा मुझे यंत्र, र्यट मी. यर्थ. यंश्या यंत्र्य, य्यूय, र्युय, र्युय, य्यूय, य त्र्रि। स्ट्रिंट्र में द्राया में अपने क्षेत्र न्या के स्ट्रिंट्र में के प्राया में स्ट्रिंट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स्ट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स्ट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स्ट्र में स्ट्र में स्ट्रेंट्र में स्ट्र में स विद्रुव केंग्रक्ष देयता देश वहें वहें वहें वहें वह स्था में मुक्त केंग्र यार्सेम्बायायदुर्यः हुँ भेट्रायायदुः सेन्यायुः सिन्यायुः विर्वे भेन्यायः विर्वे सेन्यायः विष् सेन्यायः विर् विष् सेन्यायः विष् सेन्यायः विष् सेन्यायः विष् सेन्यायः विष् सेन्यायः विष् सेन्यायः स्वयः म्बर्'न्यर भी झे मदि न्यीय वर्षेर शी मन्द्र मासुस वर्षेर वर्षेर व्या शेर्द्रा विषद्यम्भूराव्यक्षित्रास्त्रीत्रास्त्रीत्रास्त्रीत्रम्भूराव्यक्षात्राम्यक्ष्याः विषद्याः त्रें निर्नित्र हुन अर्था प्रश्नुपर्या परि गुर्कुत क्षेत्रका ग्री वेषा यो तुरका ग्री र की त्व मी के ये महिमा मी केंद्र विदर्सर में के नर पत्र के विदे दिया था वै अद्या मुर्या ग्री वद्यो भ्री अकेत ग्री द्रिय अवि मुंदि स्वा से असे द्राय वि मुंदि स्वा से असे द्राय के स्वा असे द्राय के स्वा असे द्राय के स्वा असे प्राय के स्व असे प्राय के स्वा असे प्राय के स्व असे स्व अ ब्राह्मिक्ष मुँगानुन। क्षेमाका केन प्रमुन या क्षेमाका परे निम्हा साने मिं प्रान्त हिं। क्ष्यान् क्ष्रित्रं स्ट्रिं त्या स्ट्रिं स्ट्र क्रायते निया क्रिया या ने त्या दी ने प्रायति या निया य यर वश्चरं है। मेश्रदं न्यदं में वर्षरं वर्श न्वेरं सेन हैं। नि बूंशं वेश र्या थे विश् ग्रें रुंश शु श्रेंय अदे सुका न्या इंगा न्या ग्रिय स्वा ग्रें अअका

मारवः मार्केशः क्ट्रः चः दटः खेवः तः मौंधेशः क्षेत्राश्चः परः विमाशः पः तः पहेवः वशः हेव' गुव' हैं व' ग्रे' हुद' द्वा श्रेशश ग्रे' गर्व' गश्रुश दूर' व' दे' रवव' ध'र्द्र। אַפּרִבִין באַאַיביבון פַבְיבִי בּין פַבְיבִיבוֹ אַיקּאָאינבְין אַיקּאָביבוֹלּי ग्री न्यों या विषेत्र विश्व वा वी श्रिस्य हिन विषेत्र विन्यं निवेत्र सेन हो केंगा म्या र्वे रमायायं या हेव उव लेश व या कुरे रुश श्रायं के या प्रभूय प्रायं यांश्रिया द्वां त्यांश्रा ग्राटा स्कूर्या दि ग्रुट्या प्रदे नियदे थे विश्व श्रे प्रदे त्या है। वित यति विक्रा वर्षा रहिर सेर् हैं। ।रे क्षर व रयर रे रे यवर वर्षा वर्षा वै यम वर्षेर वर्ष रविर मेर् मेर् मेर् मेर् प्रमे प्रमेर परि रेमेर वर्ष रविर वर्ष रविर शक्ष्य. प्रमा तम्म स्वा तमा परमा । पर मा । प्रमा प्रमा । प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा । प्रमा प्रमा । प्रमा प्रमा । प्रम । यवेवर्त्। यिगेबारायरायसे यदे यवस्यायस्य यविष्य मार्थर देव वे। यर्व श्रेश यक्ष्व यर् ग्रु है। क्रेंव र् रक्षे ये केंवाश मार्थमा य रूप हैव मान्या प्रदा नदा । यहेन यां भेरा यहेन हिंगा नदा । श्री महिंगा नदा । स्वी क्ष्मां मार्थ्या है। या है। यादे त्या है। यादे र यादे र यादे र यादे र वीद र यादे र यादे र यादे र यादे र यादे र ग्नेर्भुश्युं अयाविद्रा वयायावराद्रा ह्या हे भू पर दे दे हैं है दर है है ह्या यो तत्र्या त्या क्ष्या वा वस्त्रा वर्ष कर्ष कर क्षेट्र क्षेट्र की या देहरू यो के

यः धेव वि । दे कि न अर्था मुका ग्री बिदावस्य ग्रीट के का ग्री व्यूट वावका ग्री वदा व यल्ग्राक्षित्र विद्रावित्र विद्रायिक्षाम् विष्याम् वर्षाय विद्रायि क्षेष्य मुख्य समाये यश्रत्वृद्दात्रे सुरावित्रावद्याद्वेरायद्याद्वेरायद्यात्रे वायाः यश्चेर्पते र्रेयाय केंबा गुरव्दार ग्वंबा गुरव्दार प्रवेश गुर्वे या वित्र प्रवेश में विद्या में विद् वित् दें श्रूत उद प्रश्रा श्री । षद हेते गावय पश्चित प्रदेश श्रूत ग्रीट दवुद या यह त्या स्था स्या स्या स्या वर यहर यहर यह भी यह या यह यह यह । यश ले. वेश दव्दा पर द्वारा पिक् स पर्वित ग्रीश क्वेर पश ही विश दव्दा यश व लेश वर्षुट य यहि लेश वुट यश व विद्र या है। दे हेर् शर्श कुर मात्र्रां शुराया अर्र्या सुका ग्री धो भी के मानवता क्षेत्र र पानवा धार्या कर से र क्षेत्र यद्भेक्षे के भू यविष्ट प्रविष्ट यो यविष्य प्रमाणिया प्रमाणिया विष्य विष्य स्यायवित्रायम् वित्यायम् स्ट्रिं हेरात्रा क्षेत्रात्र वित्रा में क्षेत्रात्र वित्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्र में क्षेत्र क्षेत र्वेव् न्र सुर्ग अर्द्ध वे इस प्र विश्व या विदेश या न्र हेंगुश या वे सुश सुरा या क्षे र्देर गर्ने म क्षेत्रा यह के या मूला ज्ञा ना क्षा निवा नह स्वा अर्देन इस्राच द्वारा मा वर्षाया वर्षा श्रीयश पति। श्री हिंग्या पं ते अरल श्री ग्रायश श्री लेश क्र पा है अर्ल श्रेश श्री सिट सर्वे वैट सर्थ शे ह्याश पट्टे उट्। विया सक्वे पश्री पश्चे गूर रहे है। व परे वेग ये यश पश्चेर य वे क्रेंट श्रेंश है। पश्चेर हेंग गूर यहा । यह है। वह सेसम ग्रीम ग्रीम प्रति द्याया र्यं व हम भ्रीम है। द्या र र्देर र्रम्। क्षेरक्षेत्रणीय र्रम्। हित्रिक्षेत्र प्रदेशवास्त्र वास्त्र या स्वर्धिक स्वरितिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वरितिक स्वर्धिक स्वर्धिक स्वरितिक स्वरितिक स्वरितिक स्वरितिक स्वरितिक स्वरितिक स्वरितिक स्वर्धिक स्वरितिक स्वरितिक

त. धुर. क्री. ल. चुंब. बी. बींब. क्रींबा पर्यंचेंबा लट. योचेंच. रटा । क्षि. य. रटा । यन्ता क्रिंदायां ते त्राचा के विद्यायां ये विकास होता स्वायमा स्यायम हैंग यन्द्र अर्द्ध अर्दे से से रेहिंगू यद थे ने सास होते से साम है से साम है गुःगव्याञ्चात्राञ्चात्राञ्चे गव्यायविष्ये वियाय्र प्रित्येव ग्रीयाय्य प्राप्त वियाय्य यश्चराद्वारित्रहर्। क्षेत्र्या स्वारित्रे भे ने कार्के क्षेत्र सक्षेत्र स्वार्थ स्वार् ध्रेरेष देवाद्यार यो र र्येश स्ट्रेंब र्यर्व्य श्री । यद ले स्ट् श्रीश र्यंदे से विदेवा वया हैं अप्तर्शेष के अप्ये द्वीद्यायी पे प्रेश्य प्रद्रात सुर प्राप्त से द्वार मिर्द्र मान देवा यं अक्षेत्र यद्दे प कर्म श्रुक्षे यदे कें मिं देमा न्यं या कें कें में हैंग यदें भे ने शं गुट् श्रेस्र उत् ग्री देंत या कषाश्या पा योश्या है । या देया द्राया श्रेस सर्हें वा यद वेंद्र हैंद्र ये केंग्रा य दहें वे य वेंद्रें ये केंद्र के विव वा र्येट्बार्ड्डेट्राय्ट्रिस्य इस्वायाटा कुया क्रीया हेर्ड्डेट्य होता या देर्डेट्य होता या देर् ग्रीट थी में मा ग्रीव क्व या भ्री या ध्रित था वि या ग्रीय परि थी ने र्ये निर्मुर रेवि वि रेवा यो सेवासूय से सेवास या यस मुं निर्मुत विस्त्र से से से से से व्यापा धेव वैं। । देवरा यद्या यो या खेवे सुर सुर में यदें या वा कें या या कें या वे हिंदा या वे हिंदा वैद्देश हैंद्देश वर्षे अवायका हैं व्यवस्था में भी के का का विवास के केंद्र यदे गहे स्मा में दें में केंद्र सेंद्र या वस्त्र उत् गरेंद्र यह चेंद्र यदे गरेंद्र तुः धेर्ने धरा विष्टित्रे विष्या स्था क्षेत्र क्ष्या स्था विष्टे । विष्टित्र विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे विष्टे

गूर थे भेश वस्त्र उर ग्री मिलेर ग्रुर या महें द्र द्र से द्रा क्षेत्र वितर र्रेयम स्थम हैं विद्या पुर दह्ये पम अर्कें दें विंत्र र्येट्स य वे सूर ग्रीया वर्षया उर्न क्रिंट विदेश गर्डिंद या गर्डिंद या क्रिंट यह क्रिंट या क्रिंट यह क्रिंट या क्रिंट यह क् ययान्द्र। यर्केन नेन्निर्देशें हे हे से यूप्याया स्वाया यह वर्षेत्र उत्ति हैं र उद्गायनियायायां सर्वेत ते। विद्रायम्बर्धन स्थाया स्थार स्थार विद्रायां क्रिया गुर्द्र मुर्या भेत्र या यह या या होते । ग्री खे में श्रा गुर्द्र खे में श्री श्री श्री खें यह । ग्री खें यह प्र स्व स्या केंग्राया येव प्रशावें र स्य रेव ये केश सकेंव वे। । यरे र कग्राया वे क्व स्ट्रिश पर्वे विद्या हिया वा कर्गात्रा व्या विद्या या से हिंदा वा से स्वा यदे थे नेश गूर है दे हे केत में अंश गूर य में है ते या अंग्रित यह है केता या अंग्रित यह हो केता उव र्षेट्यं शुं शे शें र्रा प्ववित्। प्रतुर्द एर्द्र या प्रश्चें यू व्या पर्या शें के या यू या मां या ने दाय द्या या प्रहेतं या या सर्वेत हो। या पारिमा ते में ते से द्या या गुत्र शी स्वा प्रमा है। हें वे स्ट्रा या गुवा प्रमा है। पा है। या ग्रीया परि पे वेश गुर थे ने श वर्षशं उर ग्रे सेव ज्येश क्र केंग्र सर्दर या यतेवा क्र केंग्र हैं। हिल्दा्य देया दृद् सेव यश श्रु केया होता प्रश्नेय सकेया विश्व या में श्री श्री सेव यश होता परि द्विस स्या श्रीका ग्राम् अर्द्धेत हैं। । यद श्री श्रामा देन । अत्य गलु ५८ । ५ म है ५८ । अ५८ या सेग्रास या ५८ । या तूँ गा ५८ । अर्केंन का क्रमें के हैं है नि के के सहके या अहुता या के निकास दिने के किया निकास युं नदा विग्रास्था वे सेस्या उव वहिंव या नदा विन्य वे वहे या के युज्ञ न्द्र क्रेंबा अध्व वा देवा सुन्द्र हैं या देवा बेवाबा पदी हैं। हैं अब दें यालेव रेव र र तहमा प्रेरे धुरा अर्केम अर्हे हे र र कें अ्यक्ट अर्के विश्वाकम अ गुःस्रम् अर्द्धव इस्रम् वे सर्द्धव ने न न न न स्वार्थित है। रे रे स्वर स्वर् से से स्वर् केंत्र सेंद्र या थे प्राप्त थे भेश थे या सेंग्र स्पर्त सेंद्र सेंद्र या वे प्राप्त सेंद्र सेंद्र या वे प्राप्त सेंद्र सें र्द्रा क्ष्र प्रते क्षेत्र में विष्य क्ष्र वा क्ष्र क्ष्य क्ष्य क्ष्य व्यक्ष क्ष्य क्

है। क्रेंब वुर द्वर धुमु केव यें या बेंग बादा विके र दर वर बादा वित्याव विद् यि देवा वो अवा के ब्रिवास पर दर। वि देवा वी अवा क वर्डें से ये के ब्रिवास यते देव र् मुद्याय धेव है। यदे द्यां यी या क्रम सुद्र सम्म सुद्र दिस्य हु । उर वक्ष व दर । व का प्राप्त प्राप्त अवव उर हैं महिं। प्रमा विवा सक्ष्य त्रिम् त्रिम् त्र्म निर्म स्त्र में निर्म निर्म निर्म निर्म क्ष्य त्रिम निर्म स्था निर्म स्था निर्म न यमुद्रश्रायंश्व त्रें क्षेद्र हे केव येंश्व श्रेयंश उव शै देव शे देव शे देव शे प्राप्त अर्कें व शे प्राप्त भी य याकेश श्वीयाश यार एहेव पार्टा विषया है। हेवे क्रिया यार प्रकृत है। या प् सरीय. जा मक्र्य. ये. वे. बे. देय. जमा पर्मा ता रेट. क्रम. महीय. हो। इस देशुर विर्मेर विद्या निर्मेर सेन हैं। विसा शु एवर वर्षा निर्मेश या नूरों वि विषा गुर्हिया एविताया सेवासाया प्राप्त विषा प्रार्हित यस या सेवासाय दे । विषा प्रार्हित यस या सेवासाय दे । विष इस्र वे विद्र प रू हें अ सहवे यो के या यूर् र वय रू । या वया प्र कुं प्रवायकार्यन्यापान्याक्ष्यासूत्र्वापका विसासी विसासी विसासिक विसासिक स्वापनिक स्वापनिक स्वापनिक स्वापनिक स येर दें। हि क्षेत्र व पश्चेर पर देंग्य य पश्चेर केंग पर केंग्य य विश्व यान्याधार्या वित्र हुत हुं निष्ठा वात्र वित्र हुत हुं निष्ठा वात्र वित्र हुत हैं निष्ठा वात्र हुत हैं निष्ठा वात्र हुत हैं निष्ठा वात्र हैं वात्र वित्र हैं वात्र वित्र हैं वात्र वात्र हैं वात्र वात्र हैं वात्र मुं क्रेंच. द्या, श्रेंब. पूर्व. क्रूंच. यश्च. प्रच. प्रच. व्या. श्रेंच. प्रच. प्रच.

म्यो. ता बा पूरा प्या क्याबा ग्रेबा । बार वे ने प्या बी पर र्योग विवा वे प อา विश्वाच पाया के बाबा पां यो प्रता त्या प्रत्या पां धेते की विष्टा सुर्वा सां प्रता विश्वा का प्रता विश्वा का सःषीयी द्रा विस्नाय द्रा से द्रा के द्रा के द्रा के त्रा के त्र या दे हिंद हैं। में सु के में सा का वा वा वा वह गो मूं का दूर । मेन हु गहुरा यं है। खंश वर्ष्ट्र वर्ष रहेर बेर हैं। विर हुर बर हैं वह कि य रहा अंदिर। तर्देर्-स्रम्थान्या निर्म्य तर्द्वा निर्म्य विश्व क्षेत्र त्या निर्म्य क्षेत्र त्या निर्म त्या निर्म क्षेत्र त्या निर्म क्षेत्र त्या निर्म त्या यं हैं। रदं विव क्रियंश श्या द्याया वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर् या यहेव. वंबा, लुं. चुंबा श्री. यम. पर्विम. मूं। रि. क्षेम. व. की या र्या. ता सिम. मूं। प्रमान र्रा क्री मक्रेर या व्याम त्यों यो में में से र्रा मान में में में में में मान या त्र न न के। मुंजा त्र्यं प्रंते मुंजिया निर्देश प्रंते थे प्रंते अपना मुंबा रियर् मैं सिर सूर में रेट सूर्य सूर्य ता कि यो ये या बीर ता ता या बीर हूर के या परी या वि यार्यः द्वरः । विर्यक्षः यः यः यरः क्रिः क्षेत्रः यर्य। विषयः रः यक्षेत्रः यः ये यरः व व्। मिट्या मूर् तर लट पर्येत मूर् पर्येत विश्व येश्टर्य जि मैय यर्त प्र वश्चाम्यायवरावयम् वायायश्चाम्यायस्य मुक्षाम्य स्थान्य उव. ग्री. विश्व त. बटबा मैंबा. ग्री. विश्व श्री. शर्व टे. च. वे. तथा ग्री. श्रीच. च. ईश. यम् श्रुंद्र पर्ते । विश्व व प्रत्यं क्ष्य अर्द्ध्य या ध्रेव स्था दे स्व श्रुं या विश्व व प्रत्य व र्

सर्हर पर तम मी में ने म सर्हें वु म या गुन महिन में ने म हे भ ही बिम मश्रम्भायश्व। नियेतिः धिः नेश्वाधिन् तें होश्रादे होत्। हिम्स्य प्रदे देश या यहार यहार हो र से र प्रकृत है। देसा या मैं के साम में के साम में हैं र प्रकृत है। विया है। यहार से साम में के साम में के साम में हैं साम में है साम में हैं साम मार्ग है साम में हैं साम में है साम में हैं साम में है साम में हैं साम मार्ग हैं साम में हैं साम में है साम में हैं साम में है साम में हैं साम में साम में हैं साम में हैं साम में य्र व्या विका श्रेकायर केंग्रा में र्वे के विका श्रेप र प्रा में के का प्र केंग्रा में केंग्रा में र विका श्रेका में केंग्रा में केंग्रा में र विका श्रेका में केंग्रा मेंग्रा में केंग्रा मेंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्र में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में केंग्रा में में केंग्रा में केंग्रा में में में केंग्रा में केंग्रा में में में में में त्रिं कुं अस्त्रं न्द्रं। देश यं गुँठेशं ग्रै पङ्क्रिं सुन् ग्रे अदेव यर हेग्रायदे र विवा वैया हु यहूँ दाश्वाव देर युष्टु यर वुर्वे विष्ट दे हैंग्रेश या विषेषा यर विदेद यं अन्यः मानमा मी न्यः क्ष्मा वे पञ्चितः वित्रं ये वित्रं यन्यः निव्रं येनः येनः ये क्रेर्' खे' नेश क्रें प्रेंग्रेंग्रंग्रं ग्रेंग्रं ग्रेंग्रं ग्रंग व स्था व स्था प्रमा वर्ष क्षर्रो । विस्ति अर्केन्यर विद्या है। युः वर्ष्य है से सम्बद्धा स्वापनिया वा विद्या वि यं या श्रूट मुले हें ते श्रेट्या या या दि दिए। सुट र्घा या दि दिए के से हिंदा हैं के से हिंदा हैं युन् या युन्ने युन्ने या युन्ने युन्ने या युन्ने युन हेंग्रा पर वृद्य शिवाय ग्रीय पर्या प्रीत्र में मूर्या या हुँ द यस दर । क्या पर दर । क्या पर दर । क्या पर प्रा

य दर्भ गर्हेर स य श्रेंगूश य वु य वसश उद है श्रूर य षेत्र य या स यवेव हैं र यदे मुका गर्य उर बुर यह गार् क्रिका के सुर यह है। यर् र यह का पति र्कुलाली विस्तापर से वारे रे लायर प्रेकेर यह सार् होर से दे हु हा से वे लाय यमा निर्मा हैने गुरु नमसम्म है बन सेरे सुर निर्म नेस में से गुरु नेस यर विदेश विश्वा विवेर वर्ष रविर सेर देश रिवेर सेर देश रिवेर सेर यहर्या दिस्य प्रमान विस्वास स्टेश क्रामा से मिन मिन से मिन मिन से यायवि विश्वेश मित्र या द्वा । । उसे क्रिंग यदे क्रिंग में दें दें। यद्या में क्रुं या सार्या साथी में प्राप्त में साथी में स्वार्थ में स्वार्थ हैं निर्मा में स्वार्थ में में स्वार्थ में यर नेश्रायामवर्ते रु.श्राय्वेश्रायविव रु. रेमश्रार्मा में न्यंश्राम में इंग्राया रु.श्राया में न्यंश्राम निर्म व्यय। शुं शुंद्रा प्रदेश कें दुर्वेष वृषा यथा व रहें हों हो वे श्रेषा या प्रहेत वर्ष रेग्राश्चायात्राचात्र्वाचात्र्वाचात्राच्यात्रच्यात्राच्यात्राच्यात्रच्यात्य या यद्द्राद्वा रेग्राचा मानका शत्रा यह क्षेत्र स्वा करे हिंग्राचार यह र्दायालेगान्द्रार्भग्रार्च्या वर्ष्या वर्षा वर्ष बुद्दाय। यश्चांग्रीश्चायक्षेत्रायदेश्चरायाधेव्राविदा। यत्वाश्वरेष्ठ्वश्चार्वाङेषाः हुः ईत्र यंवेव्रिं रुप्ते द्वार्थ शे क्षेट्राय विद्याय विद्याय क्षेत्र में प्रिक्ष स्था के स्था या यहेते त्रां यश्चा वर्षा या प्रत्रा या प्रत्रेत्रा वेदा वेषा प्रमास्य वर्षेत्रा यहेता यह वर्षेत्रा यह वर्षेत् र्दे। विद्युष्टे अश्रायाय हेत् वर्षा श्रम्य ग्री प्रवित संप्रुप्त में ग्री कुर्ल्यायाय हेता वशायमा गुं क्राबार् या श्रुं है। कर पर क्षे पं नर्। वेसेंब पे वेर्षे प्रतिग हिर देंवे यं नदा र्क्ष्यय नदा नैयदा सुवा या अवाश्या होता या ये राष्ट्री स्या स्वाद्या वस्त्रम् क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् রু'ন'ব্দ। মর্ট্'য়ৢম'য়ৢ'ন'ব্দ। ম্দ্'য়্রমারুয়'য়ৢয়'য়ৢয়'য়ৢয়'য়'য়য়য়য়য়'য়ৢ ब्रैट य र र अ के के रे रम के अप यदे के वर्षे र र मा बैस्य उर वर र र र र

सः धे मे निर्मात्रम् पर्मात्र के निर्मा के निर्मा के में के लिया या पहेन या यहें व व ब क्रें। या बहे व व ब ही या ये दें पा या दें र । या वव र र के वी हो या यर कर रुद्रशागर ग्री त्वु गु रू व्ये शेस्रशाद्र्य व वेस्र वेस्र वेस्र हैंगे पं दर्। क्रिंश यं न्द्रन्द्रम् धुम् सुरे सुरे सुरे मुझ्मू सुर्धिमा से तिरुष्य न स्मानून नुस्य दिसा मञ्जाकान्द्रमञ्जूनका सेन् प्रदेश्वस्त्रका ग्री क्रिस् मा ग्री क्रिस यहेन् नर्श क्री यश दे यश यनमा हु वहेंन या न्या में क्री एश दूर क्या क्रम् है। श्रेम्य हैं। श्रुम्य प्रेम्य पहेर् व्या महर्ति व्या महर्ति स्टा सहर्य हैं से ही क्रम्य है। दे रद में क्रांबा वा पहेंवा वेंबा क्री पदमा दिवृद्धि या धेवा ही। धदा द्या धर हैं। विश्रादेश वेश पंश्चेर दें। विषय स्तेर वस्य ग्री श्वर पं वेश रूप ग्री प रेंग हु हुन अदे हैं। वूर हु हुर बेस्य पहुंच या या यहेन नय हैं ये बूदे नस्य क्षेट्र मिर्दे रेग्ना स्देर थे में या पहेत वुष सेंट्रा क्षे हर हुया क्रेंदे क्राय यंद्र, लूच, पेच, पर्या श्रीमा श्रीमिया ता पहुंचा तर पर्वीर, र्रा विषय दे श्रूमा दे श्रूमा त्राद्या द्यादायाद्या हैं या अर्क्ष्या हु त्य हु मार्चे मा श्चे. या देवदा क्रांश श्चेंदा हैशा शु इव परि कर्त या वेश शु या प्रेव हैं। दि

क्षर ने नग हो नरे र्वेग सर हा सरे लया क्या हिन या क्सरा देने नग हो यर वर्गर है। विश्व ग्रेशर ये हुंग हैं, स्वेयंश यश ये श जे शर्श मेंश यर गर्नेग्रा परे यगार पर द्र्या परे खर में क्रिं स्ट्रा स्ट्रें की निर्देश क्षिया यो सं ने हैं। हे वे किया निर्देश निर्देश निर्देश में विशेषवर हे व उद्देशयान्य प्रमात्त्रीया भी किया में में किया म यविश्वान्त्रात्या स्यार्थे हिंदे हैं ते हैं वा प्रायह वा यवित विया प्राहे वा श्वार र वृति। विश्वसं वृतिम वर्ष प्रविम सेन ने। विश्व वितिम वर्ष प्रविम सेन वर्ष वेतु हैं॥ ॥५ वे त्व्या सु त्वें र त्र्या है । वे र से दे हैं प्रयोग हैं व प्रयोग हैं व प्रयोग हैं व प्रयोग हैं चल्व मु या चर्मभन्न व सुव ग्रुच भी । अवर याना स्व प्व प्रव हैंगून वे गवना मुर्र धेवा । देश व सुव मूर्य गर्वश मुर्र भे द्याय है। । एदे वे देयूश विन निम् क्या अर्द्धन्य प्रका विक्रा वा विक्र वा विक्रा वा विक्र वा विक् श्चित्रायाण्येत्र पृत्र क्चिं अर्कें केत् या प्रमाय के स्वीत के ते विष्याया प्रमाय का गुरा विष् वियातियाहूर्यं तीया क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र विषय क्षेत्र वि सहर प्रश्रुव श्वाप्येव यो दे केंद्र श्रुव श्रुव श्रुव किया श्री श्रुव किया श्रुव श्रूव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव श्र यासद्यान्याम् वावसामुराधेवावे। ।द्याः साधाः यो वावसामुराधेद्रस् भुः रदान्वेवः क्षेत्र बीय देश वी या यहूरे या विश्व देर द्या रूट से थे वो यश वर्षेत यूक्षी ब्रद्या मुका ग्री खेटका हुँदा हैं वाका परि सुतर छिदे पर दु वाई प्रेर वाकुर मा स्वा यश सहर या या न्या न्या न्या स्वा स्वा स्वा स्वा प्रा प्रा ने हेर हिर श्रु न्य

मिश्रेट्र मी सेंब्र प्रवासया मुस् से मिया या र्ट्र स्व या या व्या मुन्य मुन्य मिवा में यूथेन ग्री हेर्न मिस्रू नर्तु के यात्र मान्य मानु के स्था मुन्य के स याती वर्षम्यत्राणी पर्ने क्रिंद्राणी में वर्षम्य क्रिंद्राणी में वर्षम्य क्रिंद्राणी क्रिंद्राणी क्रिंद्राणी क्रिंद्राणी क्रिंद्र्याणी क्रिंद् मवर्षाशुर् रेश मुर्दे । क्रिट में भे ने श्रुट मवर्षाशुर हैं में किर शुर्र में किर शुर्र में किर स्वार्थ । वैर् गुर् सुर में अ ग्रेंग्य व्यावया स्व र्ड्य ग्रेंग या गरेंग वस्य उर् ग्रेंय मुँग्रा होते. तम् व. ग्वं तर्मा हेत्। हेत्। क्रिंगा ब्रिंग वर्षा तर्हें में वर्षा तर हैं में हित हो क्रिंग ड्रेश नुर्रो । दे. क्षेर व. हेव. ग्वंश शुर शुर शुर शुर विश्व न्या धेव हो। खूव हव शुर र्श्वाया से म्यान स्थाप निष्ठा त्या स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप क्षुत् गुँच हैं। केंब हैर गुँद चें हैर या हैंब वब सुव गुव हेब गुव हे में गुंब हुय यें ने ने मार्ये वे प्रवास्त्र में अभिन्य में निया मार्ग निया में विश्व में में विश्व में मुक्त में में में में ने नेतर ग्रम्भेय क्रिंट ब्रट तह्या ग्रम्भं प्रेर क्रिंस व्या ने धेव क्रिंट क्री यहिं के कूत बैस्र र पर रंप परुपं क्रिया है। वे कैंस गरेंद पर सहित परिया सेव पर्य म्राचर्सेरातम् पहेत्राचा वसास्रित्रस्य प्राचित्रस्य प्राच यते भु वेश न य स् य स स् व वेश में विशेषित हैं। । देश भु मंश्रम् श्रमंश यू श दें दें ये से र गुर। देवे ध्रम् अपिका अपिका अपिका अपिका अपिक्र या इस्र अवा ग्रीया मित्र हि

हूँगर्य यम् नगद पर्य ने वे केंबा ही ब्रु वेश ही या नेदे सर्म य सेव यब ग्री दिवस्य भेरत्य अवदि अवदि नद्य अवस्य पदि असम् उत् मानुष ग्रु भूतम् व ययश्यात्रस्रस्य वास्तर्भे। वसास्तरत्या त्रायात्रित्यं तेर्द्राप्तरे तेर्त्राप्तरे ते चें या श्रें माश्रामा नृत्रे पा द्वार्श्वा या स्टा मी दिटा मी शा है या ना श्री न में शाम से प्रकेस य प्रवित्र हिंदा है। अहमा दूर । यह र प्रदेश पर वा है से पर वा है। इस यद मवर्षा क्षि वर्षा भे बर वर्ष्यम पद क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र पर के वे वर्ष वर्ष पर ह्यो विश्व यश्चित यो श्रिय श्रु रहीर ग्रे ह्या रहिया यर । रहे वे रर हर यद् तह्या हेव. शहर वंश हो । तर्, व. यंश्वाश है. रे. शर. वेरी । शर्श वर्त तर्त प्राप्त । वर्ष मुना रामा उत् भुवना वर्ति । या । । या मुना वार ते रेया पर सिन । ।रे वैंद्र क्षेत्रा नद्र केंद्र को नद्र । विवाद वें क्षेत्रका की देवाका की प्राप्त । विवाद के प्राप्त यदः श्रीयश्चात्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास उर्'गुर्मं मुंशं यर प्रमुत् बैने हैं॥ (रिने ने सहिया मी देंन प्रमुन या वेंगा सर तु या न्या प्रमा प्रमुद्धा पर्वा विष्ट्र पर्वा नुवेर यो प्रमुद्धा प्रमुद्धा पर्वा विष्ट्र यह, रेग्री. य. हैं. शुरें अवर लंबा रेंबा विश्री भीय हैं. यी रेंचा, रेंबा, हिया यर विया विश्वाच पर्दे केया यी दिव है। यह व पर्देश पर्दे प्रमुख या प्रमा प्रमा विषय पर्वः निषे पर्वः सः पर्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः निष्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

उर्'ग्रीश'हे'र्'गिरे'र्गे तसद'र्वेच'यूर'र्नेग'रेग'रेश'र्षेदश'स्यार्श्यार्थे पर्देश विश्वात क्षु थीं निर्मा क्षेत्र थीन दर्सिया हैर। विकासका सका स्राम्य स्राम्य हैर पर्ने हैं क्षेत्र र्वे त्र हैं। या विषय के विषय दैर र् नुष्य वर्ष वर्षे अर्थ वर्षे अर्थ वर्षे या भेर् या स्ट्रा क्रिया ग्री सा वर्षे या प्रमात् श्री र यश रिये गांश्रुय र्दं भुवर्यं परिवे विराव के प्रावे प्रश्रुप्य श्रुप्य के क्रियं के प्रावे कि प्रश्रुप्य विराव या निया अधिन श्रीत्रा है। हीता त्रा रहा यी। श्रीयशा क्षेत्रा तरी क्षेत्रा श्री विड्ना मैंश्रात्म अश्रायंद्रे मूट ब्रम् द्रा प्रति प्रश्रातक्ष्व पर्देश ग्रे अट्मी देव धेव है। मुद्राव्यक्ष उद्राग्नी क्षेटा ये दे रे देवा क्षा या दिव राद्य का दिव राय देवा वा पर्देदा चैते देव व्यवायन प्रमान प्रम प्रमान प श्रूट पर वेर पश्र व रेव केव श्रूट प लेश व पा भेव व । विवाद र वो श्रूट श्रे क्रिंद्र यहेव प्रां अकेंग हिं हे यहेव प्रांगविव वु केंद्र में प्रेक्ष मिर्केय प्रांय दिपका यदः वयः दः अः क्रेंग्रां वशा क्रिव् प्रमुद् क्रिशं यदेः देवे यः धेः मेर प्रमुशा विदेः या निया केथा मित्र प्रमेति देशीय क्षामा वि. यहमा ता या भाषे पर्दे ता युवेता वियान है केव येन पर्ने पर्ने सहित या निर्मा थे हैं में प्रिका कि विव या विक्रात्मिया प्रमान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विक्रा विक्र क्षेत्र विक्र विक्